संस्कृत विभाग द्वारा श्रीशंकर शिक्षायतन, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में अम्भोवाद- विमर्श विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

कमला नेहरू महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा२१ सितंबर २०१९ (शनिवार) को श्रीशंकर शिक्षायतन, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में अम्भोवाद- विमर्श विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी का उद्घाटन १०:३० बजे दीपप्रज्वालन से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में जहां प्रोफेसर दीप्ति त्रिपाठी थीं वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर कमला भारद्वाज एवं सारस्वत अतिथि के रूप में डा मीरा द्विवेदी थीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा कल्पना भाकुनी ने किया।संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए प्रोफेसर संतोष शुक्ला ने पंडित मधुसूदन ओझा ,उनकी कृतियां,उनका वेदविषयक प्रेम, वेदज्ञानप्रचार हेतु उनके द्वारा उठा ए गये कदम एवं श्री शंकर शिक्षायतन के विषय में विस्तार से चर्चा की।डा मीरा द्विवेदी ने वराह के स्वरूप एवं उसके भेदों की विस्तार से व्याख्या की।प्रोफेसर कमला भारद्वाज ने वायु ,प्राण एवं अम्भ पर प्रकाश डाला।प्रोफेसर दीप्ति त्रिपाठी ने पंडित मधुसूदन ओझा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर जोर देते हुए उन्हें वर्तमान समय का युगपुरुष एवं ऋषि बताया।पंडित ओझाजी की कृतियों को हम क्यों पढें-- इस विषय पर उन्होंने विशेष रूप से प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन डा मैत्रेयी कुमारी के द्वारा किया गया तथा धन्यवादज्ञापन डा सुषमा चौधरी ने किया।तत्पश्चात् दो समानांतर सत्र (कुल चार सत्रों) में कुल २६ शोधपत्र पढे गए। पत्रवाचन सत्र के सत्राध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर अमिता शर्मा,प्रोफेसर सुजाता त्रिपाठी,डा दयाशंकर तिवारी एवं डा सुषमा चौधरी थे तथा संचालन क्रमश: डा सरिता शर्मा,डा राजमंगल यादव,डा अनिल कुमार एवं डा अजय कुमार झा के द्वारा किया गया।समापन सत्र प्रोफेसर अमिता शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर देवेंद्र मिश्र एवं सारस्वत अतिथि के रूप में डा भारतेन्दु पांडे उपस्थित थे। इस सत्र का संचालन डा सुषमा चौधरी ने किया एवं धन्यवादज्ञापन श्रीशंकर शिक्षायतन के डा लक्ष्मीकांत विमल के द्वारा किया गया।राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन (रिपोर्ट) संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डा. मैत्रेयी कुमारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।प्रमाणपत्र वितरण के उपरांत राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।संगोष्ठी में आद्यन्त 'अम्भोवाद :'के विभिन्न बिन्दुओं पर चिंतन - मनन हुआ।